

Ashutosh Anand

National ICT award-2015

State Awards To Teachers-2018

National Awards To Teachers-2019



- ▶ Beginning of journey
- ▶ 15th December 2005
- ▶ National ICT Award

▶ Content user to Content Developer

▶ National Awards To Teacher

▶ As Academic Resource Person (ARP)



- ▶ No knowledge of ICT Devices and tools till 2010
- ▶ Desktop was provided to my school ,but I could not operate it ,I called a person who was a bit aware of computer ,I learnt to switch it on .
- ▶ I along with my students started to explore in it ,Difficulty level was same ,therefore learning was better .

- ▶ I started with PowerPoint ,Excel, word in beginning .
- ▶ My officers visited to my school and were impressed with my efforts and provided me a net setter
- ▶ Now I started browsing internet ,I found so many useful contents for my students , started to download them using YOUTUBE downloader

- ▶ As we know that I.C.T. includes Information, Communication and Technology .
- ▶ Started to collect information from Google, NROER and YouTube .
- ▶ Meanwhile I got a chance to visit N.C.E.R.T in a training Programme ,and that was the turning time of my career .

- ▶ I got a chance to know about ICT tools during training sessions in C.I.E.T.
- ▶ Visited science and mathematics department ,where I learnt about joyful learning .
- ▶ I started using this experience in teaching learning process .

शिक्षक
2015



NATIONAL AWARD TO TEACHERS - 2015

2016

5 September 2015

शिक्षण मंत्रालय
शिक्षकता विभाग
कार

Ministry of Human Resource Development
Department of School Education



- ▶ Received National ICT Awards in 2015 .
- ▶ Got a laptop ,software ,hardware and educational C.D.
- ▶ Now more information ,communication tool and technology was available resulting in better results .

- ▶ Source of information –websites ,NROER, Bodhaguru , make me genius , arvindtoys.com
- ▶ Software –seterra , geogebra etc.
- ▶ Started to develop e –contents using these software



Use of portals ,apps is better than direct Exposure to Google

कम हुआ बोझ : बाराबंकी के दरियाबाद स्थित विद्यालय में हो रही पढ़ाई

साकार हुआ ई-पाठशाला का सपना

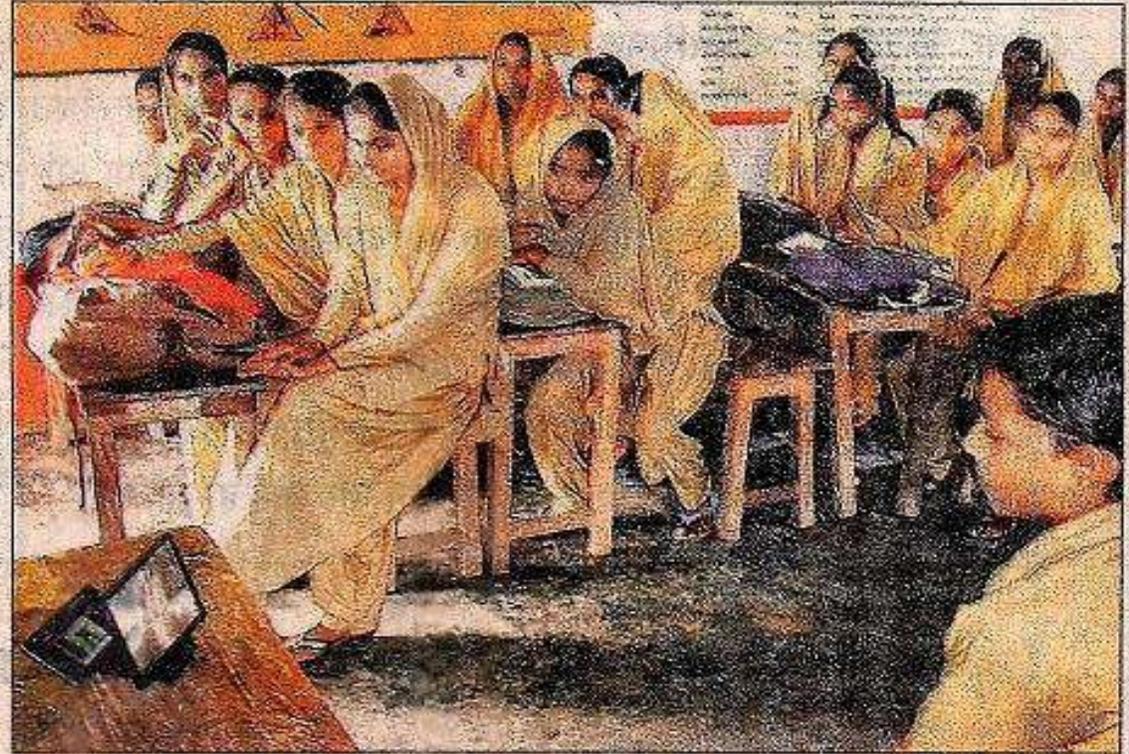
सतीश श्रीवास्तव, बाराबंकी

बच्चों को बस्ते के बोझ से निजात दिलाने के लिए जहां सरकारों से लेकर सीबीएसई शैक्षणिक बोर्ड तक लगातार प्रयासरत है, वहीं बाराबंकी के एक छोटे से कस्बे दरियाबाद के मियांगंज उच्च प्राथमिक विद्यालय ने न केवल ई-पाठशाला का सपना साकार किया है, बल्कि बच्चों के कंधे से बस्ते का बोझ भी कम कर दिया है।

दरियाबाद विकास खंड के मियांगंज उच्च प्राथमिक विद्यालय की उम्र उतनी ही है, जितनी यशपाल समिति की सिफारिशों की। करीब 30 साल पुराने स्कूल में एक साल पहले ई-पाठशाला प्रारंभ हुई। यह प्रयोग किया विद्यालय के शिक्षक आशुतोष आनंद अवस्थी ने। (शेष पेज 15)

15 विद्यालयों में होगा प्रयोग

बेसिक शिक्षा अधिकारी पीएन सिंह कहते हैं कि यह बाराबंकी के लिए सौभाग्य की बात है कि हमारे पास ऐसे शिक्षक हैं जो तकनीक के सहारे नई पहल कर सकते हैं। यह प्रयोग हम अब हर ब्लॉक के एक-एक विद्यालय में करेंगे। इसके लिए तकनीकी रूप से सक्षम शिक्षकों का चयन किया जाएगा। कंप्यूटर हमारे पास है। अन्य सुविधाओं को हम सामुदायिक प्रयोग से हासिल करेंगे। चयनित शिक्षकों को आशुतोष आनंद अवस्थी से प्रशिक्षण दिलवाया जाएगा।



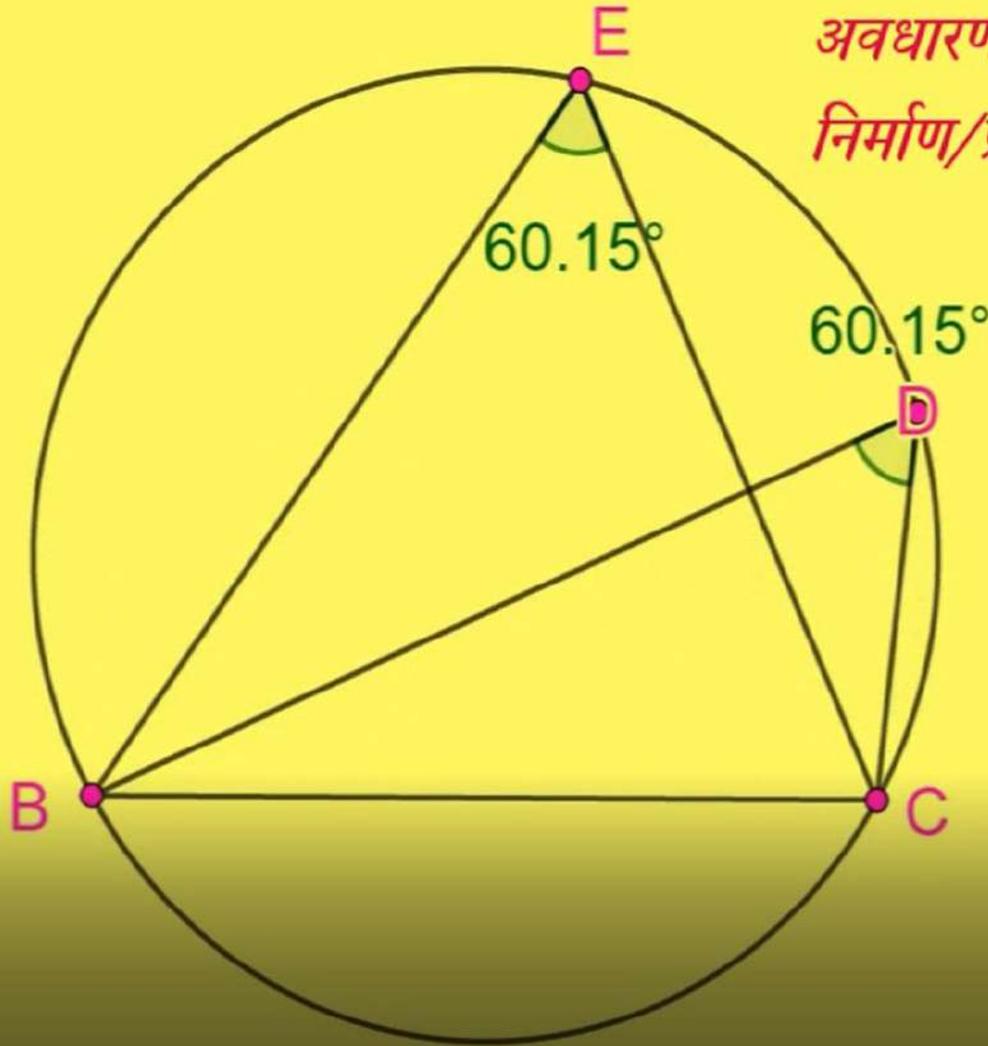
बाराबंकी के दरियाबाद क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय मियांगंज में मोबाइल से पढ़ाई करते छात्र-छात्राएं

जागरण

Content user -----Content Developer

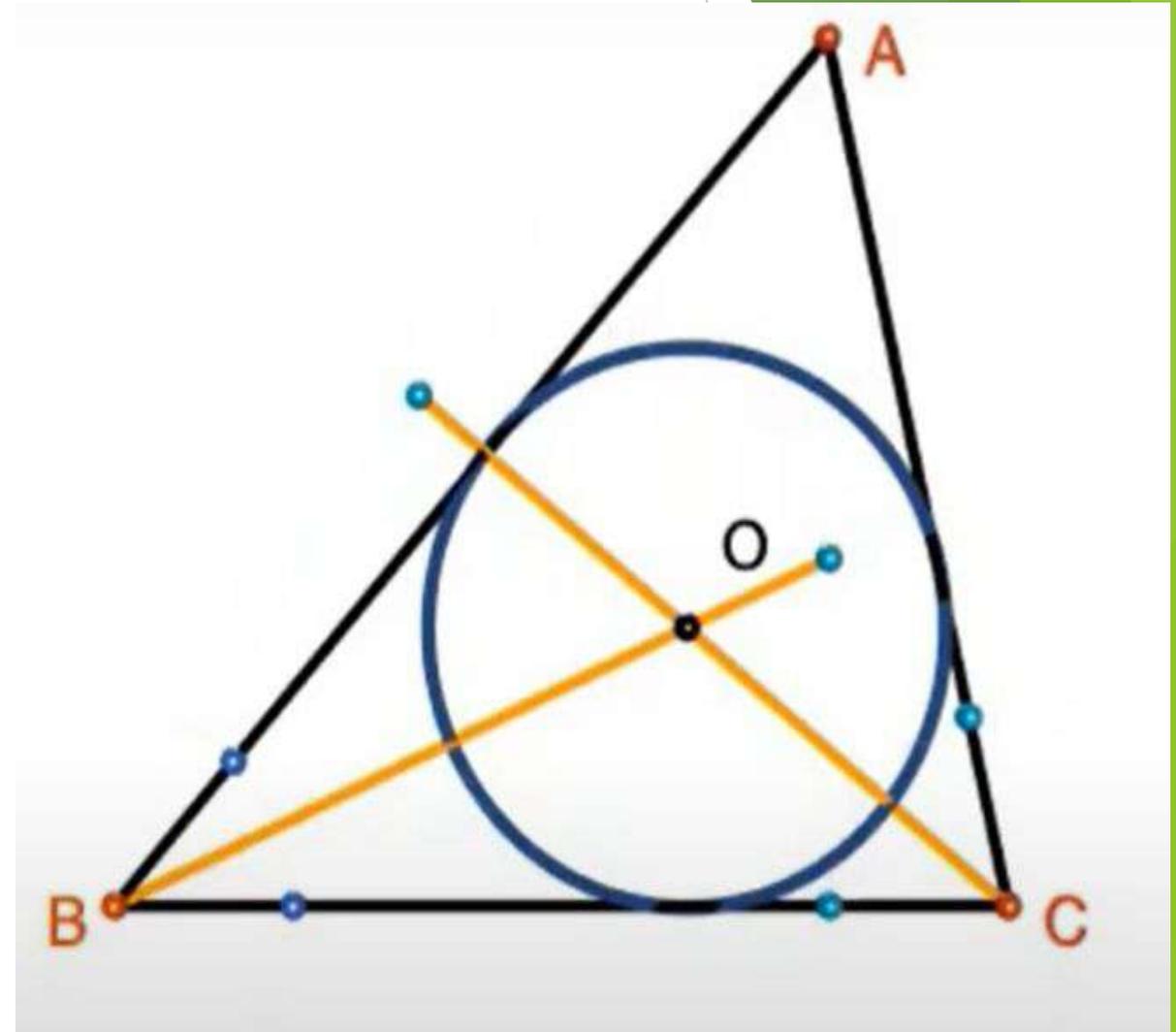
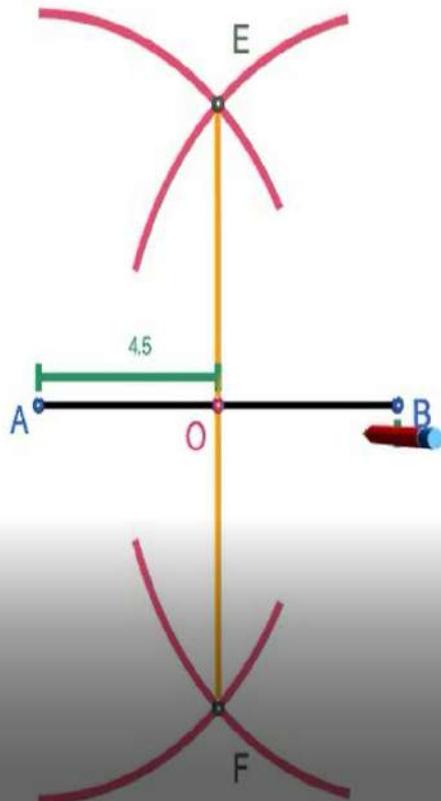
- ▶ E book development
- ▶ Geometrical constructions using Robocompas ,Geogebra
- ▶ E -contents (Sign language) for S.C.E.R.T.
- ▶ E -contents for NMMSE
- ▶ H5p quiz for class 6,7,8 (2000 questions)

Geogebra -Free / Open Source



अवधारणा - डॉ अजय कुमार सिंह
निर्माण/प्रस्तुति - आशुतोष आनन्द

Robocompass



h5p

<https://h5p.org/user/265223/mycontent>



आशुतोष आनन्द (राष्ट्रीय
अध्यापक पुरस्कार ,राष्ट्रीय I.C.T
पुरस्कार ,राज्य अध्यापक पुरस्कार
प्राप्त अध्यापक)mob-
7007653292
Ashutosh Anand

Location
Barabanki ,U.P,India

Member for
2 years 11 months

Contact User

Create New Content

Title	Updated	Link to edit content
ANIMALS AND THEIR BABIES	2022/07/10 – 16:17	
Human body(Guess and find correct answer)	2020/02/15 – 00:19	
Excretory System	2020/03/08 – 04:48	
नागरिक शास्त्र कक्षा 6 -स्थानीय स्वशासन	2020/03/13 – 09:34	
नागरिक शास्त्र कक्षा 6 -सभी जन एक हैं	2020/02/12 – 22:33	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 12 -दक्षिण भारत	2020/02/12 – 22:22	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 11 -राजपूत काल	2020/02/12 – 22:15	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 10 पुष्यभूति वंश	2020/02/11 – 04:04	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 9 गुप्त काल	2020/02/11 – 04:00	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 8 -मौर्योत्तर काल	2020/08/13 – 03:56	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 7 मौर्य साम्राज्य	2020/02/11 – 03:46	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 6 -महाजनपद	2020/02/11 – 03:43	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 5 धार्मिक आन्दोलन	2020/02/11 – 03:36	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 4 वेदिक काल	2020/02/11 – 03:33	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 3 नदी घाटी की सभ्यता	2020/02/11 – 03:17	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 2 पाषाण काल	2020/02/11 – 03:12	
इतिहास कक्षा 6 पाठ 1	2020/02/11 – 03:03	
नागरिक शास्त्र कक्षा 7 /3 कार्यपालिका	2020/02/06 – 04:04	
नागरिक शास्त्र कक्षा 7 -व्यवस्थापिका	2020/02/06 – 03:56	
नागरिक शास्त्र कक्षा 7 /1	2020/02/06 – 03:45	

Science Teaching



Low Cost Teaching Material



Uses low cost teaching aids
and scientific models







**अंफल ! आज आपने
हेलमेट क्यों नहीं पहना
धीरे चले, सुरक्षित रहें ।**

**द्वारा : मीना मंच, पूर्व माध्यमिक विद्यालय
मियाँगंज, दरियाबाद, मो. 09936319882**



सावधान

इस पुल के तुरन्त बाद चौराहा है

धीरे चलें /

द्वारा आशुतोष आनन्द अवस्थी
राष्ट्रपति पुरस्कार (L.C.T.) प्राप्त शिक्षक-रायपुर-993631988



As Academic Resource Person (A.R.P)

- ▶ 2 schools per day (Supportive supervision)
- ▶ Support to teachers as per need
- ▶ Teachers training
- ▶ Science Labs in 40 upper primary schools
- ▶ Science toys in a bag
- ▶ I start my show wherever I get children
- ▶ Preparation Of National Means Cum Merit Scholarship

As Academic Resource Person (A.R.P)



अभिभावक व बच्चों को पढ़ाई के टिप्स दे रहे शिक्षक आनंद



तासीपुर गांव में बच्चों को जागरूक करते शिक्षक आशुतोष आनंद अवस्थी • जागरण

संवादसूत्र, रामसनेहीघाट (बाराबंकी) : अभिभावक व बच्चों को जागरूक करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षक आशुतोष आनंद अवस्थी वाहन से गांव-गांव जा रहे हैं। तासीपुर गांव में जाकर अभिभावक को समझाया कि बच्चों को समय दें, उन्हें पढ़ाएं और जो काम दिया जाए उसे पूरा कराएं। वह लाउडस्पीकर लगाकर ग्रामीणों को जागरूक कर रहे हैं।

शिक्षक बता रहे हैं कि कोरोना काल में बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और उनके सामाजिक व्यवहार पर भारी प्रभाव पड़ा है। विद्यालय के बंद होने की दशा में अभिभावक को अध्यापक की तरह बर्ताव भी करना पड़ रहा है। घर में बच्चों को रुचि के अनुसार शिक्षा देने व उनको विद्यालय नुमा वातावरण देने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए कार से गांव-

पहल

- दीक्षा एप, रीड लांग, प्रेरणा लक्ष्य एप पर मिलेंगी शिक्षण सामग्री
- बच्चों की रुचि के अनुसार शिक्षा देने पर दे रहे जोर

गांव जाकर माइक से प्रचार कर रहे हैं। बच्चों से अभिभावक बातचीत करें, उनकी बातें सुने और प्रोत्साहित करें। बच्चों के साथ थोड़ी देर खेलें, बच्चों को कहानी की किताबें और अखबार पढ़ने के लिए प्रेरित करें और पढ़े गए प्रकरण पर बच्चों से बातचीत करें, बच्चों को परिवार के बुजुर्गों के अनुभव सुनाने और अपने परिवार का इतिहास बताएं। बच्चों के सहयोग के लिए आप अपने मोबाइल में प्ले स्टोर से दीक्षा एप, रीड लांग, प्रेरणा लक्ष्य एप इंस्टाल कर जानकारी कर सकते हैं।

400 शिक्षकों के मास्टर बने आशुतोष आनंद

सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की कवायद में जुटे

श्रुतिमान शुक्ल

बाराबंकी। इच्छा शक्ति पहला पड़ाव है। इसके बाद ही आपको सफलता मिल सकती है। 46 वर्षीय शिक्षक आशुतोष आनंद अवस्थी ने इसी सोच के साथ सरकारी शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने की मुहिम चला रखी है। सात साल में करीब 400 शिक्षकों ने आशुतोष आनंद की प्रेरणा से



आशुतोष आनंद अवस्थी अपने विद्यालय को भी बेहतर बनाने का प्रयास किया। इन्हीं खूबियों के लिए आशुतोष को राष्ट्रीय अध्यापक पुरस्कार समेत दो राष्ट्रीय व एक राज्य स्तरीय पुरस्कार से नवाजा जा चुका है।

दरियाबाद ब्लॉक के रायपुर गांव निवासी आशुतोष आनंद अवस्थी ने वर्ष 2005 में बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक की नौकरी शुरू की थी। शुरू से ही आशुतोष सामान्य चीजों से विज्ञान की पढ़ाई कराते थे। दरियाबाद के ही पूर्व माध्यमिक विद्यालय में तैनात रहने के दौरान उन्होंने अपने स्कूल में

राष्ट्रीय अध्यापक समेत मिल चुके हैं तीन पुरस्कार

वर्ष 2005 में बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक की शुरु की थी नौकरी



प्रोजेक्टर व कम्प्यूटर से पढ़ाई की शुरुआत कराई।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक सरकारी शिक्षा को बेहतर बनाने की मुहिम चलाई। वर्ष 2015 तक आशुतोष की प्रेरणा से करीब 90 शिक्षकों ने उनके विद्यालय का भ्रमण कर उनसे कुछ सीखा। उनकी मेहनत को देखते हुए वर्ष 2015 में ही उन्हें राष्ट्रीय स्तर का आईटीसी अवार्ड दिया गया। इसके बाद आशुतोष ने सरकारी शिक्षा को बेहतर बनाने की मुहिम तेज कर दी। वह छुट्टी में अन्य शिक्षकों से मिलकर उन्हें प्रेरित करते रहे।

2018 में आशुतोष को प्रदेश का राज्य अध्यापक पुरस्कार दिया गया और अगले ही साल 2019 में उन्हें राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय

45 सरकारी विद्यालयों में चल रही विज्ञान प्रयोगशाला

एआरपी आशुतोष आनंद ने सिरौलीगोसपुर ब्लॉक के 45 विद्यालयों में विज्ञान प्रयोगशाला संचालित कराई है। ये विद्यालय मिसाल के रूप में लिए जाते हैं। आशुतोष का मानना है कि योजना की गतिविधियों के दौरान विज्ञान से हमारा नाता पड़ता है। वे कभी बहक धोते समय इंद्रधनुष बनाकर प्रकाश की बारीकियां समझाने लगते हैं तो कभी खेल-खेल में ही विज्ञान के सूत्र समझा जाते हैं।

अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सितंबर 2020 में उनके कार्यों की वजह से विभाग ने उनको एआरपी पद पर तैनात कर दिया है। 2015 से अब 2022 तक जिले व गैर जिलों के 300 और युवा शिक्षक आशुतोष से जुड़े। इन शिक्षकों ने आशुतोष से सरकारी विद्यालय को बेहतर बनाने के गुर सीखे। आशुतोष ने बताया कि इच्छा शक्ति से बढ़कर कुछ नहीं। शिक्षक का काम शिक्षा देना ही नहीं बल्कि समय के साथ शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाना भी है। (संवाद)



km_20220718-1_1080p



anj 2

Supportive Supervision

- ▶ ICT tools ,software
- ▶ Prerna portal ,N.R.O.E.R , Websites
- ▶ Quiz
- ▶ E-content development